

नामांक				Roll No.		

No. of Questions — 25
No. of Printed Pages — 3

P—01—Hindi

प्रवेशिका परीक्षा, 2010

हिन्दी

(HINDI)

समय : 3 $\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक : 40

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें ।
4. जिस प्रश्न के एक से अधिक समान अंक वाले भाग हैं, उन सभी भागों का हल एक साथ सतत् लिखें ।
5. प्रश्न क्रमांक 1 के चार भाग (i, ii, iii तथा iv) हैं । प्रत्येक भाग के उत्तर के चार विकल्प (अ, ब, स एवं द) हैं । सही विकल्प का उत्तराक्षर उत्तर-पुस्तिका में निम्नानुसार तालिका बनाकर लिखें :

प्रश्न क्रमांक	सही उत्तर का क्रमाक्षर
1. (i)	
1. (ii)	
1. (iii)	
1. (iv)	

P—01—Hindi

P - A-(1)

[Turn over

1. (i) महाराज वल्लभ सेन व भगवती देवी परम भक्त थे
 (अ) कृष्ण के (ब) आशुतोष के 1/2
 (स) गणेश के (द) हनुमान के ।
 - (ii) 'सुजान भगत' कहानी में महत्व प्रतिपादित हुआ है
 (अ) श्रद्धा का (ब) संकल्प का 1/2
 (स) कर्मण्यता का (द) यथार्थ का ।
 - (iii) 'आँख में हो स्वर्ग लेकिन पाँव पृथ्वी पर टिके हों' पंक्तियों में प्रेरणा मिलती है
 (अ) यथार्थ में जीने की (ब) ऊँचे स्वप्न देखने की 1/2
 (स) स्वर्ग को आँख में भरने की (द) सुखद जीवन की ।
 - (iv) 'जय हे मातृभूमि कल्याणी' कविता की रचयिता हैं
 (अ) सोहनलाल द्विवेदी (ब) मधु चतुर्वेदी 1/2
 (स) सुभद्रा कुमारी (द) मैथिलीशरण गुप्त ।
- नोट :** प्रश्न सं० 2 से 5 तक के उत्तर अति लघूत्तरात्मक हैं ।
2. सीधे सादे किसान के हाथ में धन आते ही उसका झुकाव किधर हो जाता है ? 1/2
 3. सम्पूर्ण इमारत की अस्ति-नास्ति किस पर निर्भर करती हैं ? 1/2
 4. 'अबला बन गयी सबला' ऐसी वीर क्षत्राणी कौन थी ? 1/2
 5. 'है नमन तने गढ़ रणत भँवर' रणत भँवर गढ़ को नमन क्यों किया जाता है ? 1/2
- नोट :** निम्नांकित प्रश्न सं० 6 एवं 7 के उत्तर लगभग 10-10 शब्दों में दीजिए :
6. 'आपको देखकर मेरे दिल में एक, सिर्फ एक बात उठ रही है ।' शिवाजी के मन में किसे देखकर कौन-सी बात उठ रही थी ? 1
 7. क्षितिज, जल, आकाश और पवन के सम्मिश्रण से विधाता ने जो पुतला बनाया उसे किन गुणों से सजाया ? 1
 8. 'नयन' शब्द का संधि-विच्छेद करके संधि का नाम बताइए । 1/2
 9. 'अजातशत्रु' शब्द का समास विग्रह कर समास का नाम भी लिखिए । 1/2
 10. गाँधीजी ने भारत को स्वतन्त्रता दिलाई । पंक्ति में रेखांकित पदों का परिचय दो बिन्दुओं के आधार पर दीजिए । 1
 11. मिश्र वाक्य की परिभाषा देते हुए एक उचित उदाहरण भी दीजिए । 1
 12. निम्नलिखित वाक्यों की अशुद्धियों का निराकरण करके शुद्ध वाक्य लिखिए : 1
 (i) मैं आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ ।
 (ii) परीक्षा प्रणाली में सुधार उपेक्षित है ।
 13. निम्नलिखित युग्म शब्दों का अर्थ लिखिए : 1/2
 (i) अजिर
 (ii) अजर ।
 14. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए : 1/2
 (i) जिसकी कोई आशा न की गई हो ।
 (ii) जिसका दमन करना कठिन हो ।

15. व्यंजना शब्द शक्ति की परिभाषा देते हुए एक उपयुक्त उदाहरण भी दीजिए । 1
16. स्वयं को राजकीय माध्यमिक विद्यालय, बागोर का छात्र ऋषि शर्मा मानते हुए अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को पुस्तकालय की अव्यवस्था सुधारने हेतु एक प्रार्थना पत्र लिखिए । 3
17. “मेरा विचार है कि यूरोप में अनिवार्य शिक्षा की जरूरत है, भारत में नहीं ।” मास्टर साहब के इस विचार के पीछे क्या कारण थे ? 2
18. अग्रोहा राज्य में आकर बसने वालों को क्या सुविधाएं प्रदान की जाती थीं ? 2
19. राजकुमारी देवलदे के माता-पिता किस दुविधा में थे ? उनकी दुविधा को देवलदे ने कैसे दूर किया ? 2
20. ‘मुख में मानिक सम दसन बाहर निकसत दाढ़’ लेखक प्रतापनारायण मिश्र के इस कथन से क्या शिक्षा मिलती है ? 2
21. “गंगा प्रसाद जी जब घर लौटे तो उनकी माँ आँगन में उदास बैठी थी ।” माँ के उदास होने के क्या कारण थे ? 3
22. ‘जीवो जीवस्य भक्षणम्’ के साथ ‘जीवो जीवस्य रक्षणम्’ के सिद्धान्त को महादेवी वर्मा ने अपने संस्करण ‘नीलू’ में किस प्रकार प्रतिपादित किया ? उदाहरण सहित उत्तर दीजिए । 3
23. ‘पूर्व चलने के बटोही बाट की पहचान करले’ कविता से आपको जीवन पथ पर चलने में क्या सहायता मिल सकती है ? विचारपूर्वक उत्तर लिखिए । 3
24. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4

भारत की धार्मिक परम्परा में पूजा या उपासना दो प्रकार की होती है । एक सगुण और दूसरी निर्गुण । पहले को व्यक्त परमेश्वर और दूसरे को अव्यक्त की संज्ञा दी जा सकती है । धार्मिक उपदेशों ने कहा है कि सगुण ब्रह्म की उपासना निर्गुण की उपासना से अधिक आसान होती है । इसी प्रकार अपरिचित लोगों के साथ काल्पनिक सहयोग करना, परिचित लोगों के साथ जिनकी संगति में हम रहते हैं, सहयोग करने की अपेक्षा अधिक कठिन होता है और उसके लिए कहीं अधिक बौद्धिक अनुभूति आवश्यक होती है । (उत्तर सीमा लगभग 100 शब्द)

अथवा

रामदेव ने परिस्थिति को पहचान कर लोक कल्याण में ही अपना जीवन खपाने का संकल्प लिया । बड़ी जाति के होने पर भी अछूतों में सम्पर्क बढ़ाया तथा जम्माजागरण आन्दोलन के माध्यम से उन्हें जाग्रत कर अच्छाइयों की ओर प्रवृत्त किया । समाज के पिछड़े बन्धुओं के प्रति इनका अन्तःकरण करुणा व परोपकार से ओतप्रोत था । अछूत कही जाने वाली जाति की कन्या डालीबाई को अपनी धर्म बहिन बनाया । (उत्तर सीमा लगभग 100 शब्द)

25. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4

नवभारत फिर चीर युगों का तिमिर आवरण,
तरुण-अरुण सा उदित हुआ परिदीप्त कर भुवन ।
सभ्य हुआ अब विश्व, सभ्य धरणी का जीवन,
आज खुले भारत के संग भू के जड़ बन्धन ।
शान्त हुआ अब युग-युग का भौतिक संघर्षण,
मुक्त चेतना भारत की यह करती घोषण ! (उत्तर सीमा लगभग 100 शब्द)

अथवा

राधेय जरा हँसकर बोला, “रे कुटिल ! बात क्या कहता है ?
जय का समस्त साधन नर का अपनी बाँहा में रहता है ?
उस पर भी साँपों से मिलकर मैं मनुज मनुज से युद्ध करूँ ?
जीवन भर जो निष्ठा पाली उससे आचरण विरुद्ध करूँ ?” (उत्तर सीमा लगभग 100 शब्द)